आज दिनांक 25-11-2021 को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं विभिन्न औद्योगिक इकाइयों एवं संगठन की ओर से जनपद के 200 आंगनवाड़ी केंद्रों को सुविधा संपन्न बनाने हेतु आवश्यक सामग्री का वितरण विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, श्रीमती स्वप्निल वरुण अध्यक्ष जिला पंचायत, कानपुर नगर, श्रीमती नीलिमा कटियार माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (उ.प्र.) श्री सतीश महाना माननीय कैबिनेट मंत्री औद्योगिक विकास (उ.प्र.) वि. वि.कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा जियो टैगिंग पोर्टल का भी शुभारंभ किया गया। उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय, उद्योगपतियों और सभी आंगनवाणी कार्यकर्तीयों को बधाई दी। उन्होनें वहां उपस्थित सभी उद्योगपतियों से आग्रह किया कि वे अपने परिवारजनों के साथ स्वयं इन आंगनवाड़ीयों में जाकर वहां बच्चों को ये तोहफे दे जिससे आप उन बच्चों के चेहरे की मुस्कान के साक्षी हो सके और इसका अनुभव ले सकें। उन्होनें कहा कि स्वास्थ्य की दृष्टि से हमारे बच्चे स्वस्थ होने चाहिए, जिसके लिए आगंनवाडी कार्यकर्तीयों की तीन दिन की ट्रेनिंग करवाई जाये, जिसमें उन्हें आंगनवाड़ी कैसी होनी चाहिए, क्या-क्या सुविधाएं होनी चाहिए, बच्चों को कैसे सीखाना है, बच्चों के सामने किस तरह प्रेजेंट करना है, आदि बातें सीखयी जाएं। इसके साथ ही उन्होनें आंगनवडी कार्यकर्तीयों से कहा कि जा भी सामग्रीयां उन्हें आज प्राप्त हुई है उसे बच्चों को अच्छे से खेलने दे, टूटती है खिलौने तो उसकी चिंता वे ना करें। इससे उनके आंगनवाडी में बच्चों की संख्या बढ़ेगी और फिर वे बच्चों को और भी नई चीजें सीखा पीयेंगी। साथ ही सभी कार्यकर्ती वहां आए सभी बच्चों को एक मां की भाती प्यार दे और उनका ख्याल रखें। राज्यपाल महोदया ने कहा कि यूनिवर्सिटी अपने यहां सभी छात्राओं के ब्लेड टेस्ट करवाएं, जिससे उनके भीतर हो रही बीमारियों का पता वक्त रहते पता चल सके।समाज में होने वाली दहेज प्रथा और बाल विवाह के लिए समाज के हर वर्ग को आवाज उठाने के लिए कहा और अन्य लोगो को जागरुक करने के लिए कहा। साथ ही महिलाओं को संस्थागत डिलीवरी के लिए और अधिक जागरुक करने के लिए कहा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने बताया कि किस तरह से राजयपाल महोदया ने आंगनवाड़ी के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम शुरु करने के लिए प्रेरित किया और पहली बार लोगों ने आंगनबाड़ियों को गोद लेने का काम किया। उन्होनें बताया की उन्हें इंडस्ट्री के सीएसआर की मदद से इस आंगनवाड़ी कार्यक्रम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। साथ ही उन्होनें जियो टैगिंग पोर्टल के विषय में बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय से संबद्ध लगभग 637 महाविद्यालयों के लिए एक जियो टैगिंग पोर्टल तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक सब जब सचल दल की टीम यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक अफसर किसी कॉलेज का निरीक्षण करने जाते थे तो, कॉलेज को ढूंढने में तमाम कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस पोर्टल का प्रयोग करके कोई भी छात्र, शिक्षक एवं अन्य सामान्य व्यक्ति विश्वविद्यालय से संबंध 7 जिलों में फैले महाविद्यालयों के बारे में समस्त जानकारी जैसे-महाविद्यालय का नाम, फोन नंबर, ईमेल, महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम, उससे जुड़े हुए शिक्षक एवं उपलब्ध सीटों की जानकारी प्राप्त कर सकेगा। विश्वविद्यालय इस पोर्टल का उपयोग परीक्षा केंद्रों के निर्धारण में महाविद्यालय की मान्यता प्रदान करने में परीक्षाओं को सुचिता पूर्ण संपन्न कराने में प्रयोग करेगा।

नीलिमा कटियार माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (उ.प्र.सरकार) ने अपने उद्बोधन में कहा कि आँगनवाडियों को सशक्त करने के लिए जो सेवा का उत्साह और उल्लास का मार्गदर्शन के लिए राजयपाल को धन्यवाद दिया। उन्होनें कहा की समाज का ध्यान अब कुपोषण पर धीरे-धीरे जा रहा है और उसको दूर करने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं, जिससे की मातृ शक्ति का विकास हो। साथ ही उन्होनें विश्विद्यालय को इस तरह के कार्यकर्म आयोजित करने के लिए सराहा।

सतीश महाना माननीय कैबिनेट मंत्री औद्योगिक विकास उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने उद्बोधन में कहा की जिस तरह से हमारी आंगनबाड़ी बहनें जिस तत्परता से अपना कार्य करती हैं, अगर वह भाव हम अपने अंदर भी लें आएं तो हम सभी राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के सपने को साकार कर सकते हैं।

स्वप्निल वरुण अध्यक्ष जिला पंचायत कानपुर नगर ने अपने उद्बोधन कहा कि इस तरह के समाज सेवा कार्यक्रम में शामिल होने उनके लिए गौरव की बात है और उन्होनें राज्यपाल से निवेदन किया कि भविष्य में इस तरह के सामाजिक कार्यक्रमों में अपनी सेवा देने के लिए सदैव तत्पर रहेंगी।

माननीय राजपाल महोदय द्वारा आंगनवाड़ी गोद लेने वाले संस्थानों को प्रमाण पत्र एवं समूह चित्र देखकर सम्मानित किया गया,जिसमें मुख्तारुल अमीन, मेसर्स सुपर हाउस लि., के.के दुबे, मेसर्स जॉनसंस एंड मैथ्यू, अशरफ रिजवान, मे. हुमैरा टेनरी, एस.के. बाजपेई, मेसर्स आर.एस.पी.एल लि., लाडली प्रसाद, हरेंद्र मरजानी, लघु उद्योग भारती, जय हेमरजानी, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, उमंग अग्रवाल, फेडरेशन ऑफ ट्रेड एसोसिएशन (फीटा), मनोज बंका, पी.आई.ए, जावेद इकबाल, सी.एल.ई., शशिकांत वर्मा, मे. पनकी पावर प्लांट, बलराम नरूला मे. जेट. निटवियर्स, आर.के. जालान, मे. अरविंद फुटवियर प्रा. लि., कामरान रहमान, मे. रहमान इंडस्ट्रीज प्रा. लि., राजेश धूपर, मेसर्स धूपर केमिकल, सुदीप गोयनका, मे. गोल्डी मसाले, अरुण गुप्ता मे. अशोक मसाले, नरेंद्र शर्मा, मेसर्स तिरंगा अगरबत्ती, कमल कटारिया, मे. केयर डिटर्जेंट प्रा. लि., अनुराग लोहिया, मेसर्स लोहिया कॉरपोरेशन, रि.मे.ज. विनोद कुमार, महाप्रबंधक मेसर्स कानपुर फर्टिलाइजर (जे.पी ग्रुप), सुधीर कुमार श्रीवास्तव, उपायुक्त उद्योग, कानपुर, एस.पी.यादव सहायक आयुक्त उद्योग (कानपुर नगर)।

पीपीएन कॉलेज के सतीश चंद्र और काशिफ इमदाद को जियो टैगिंग पोर्टल के लिए सम्मानित किया गया।

राज्यपाल द्वारा श्रीमती रेखा (चौबेपुर), श्रीमती प्रमिला (चौबेपुर), सोनी देवी (पतारा), रानी देवी (पतारा), उमा देवी (शिवराजपुर), रेखा देवी (शिवराजपुर), बबीता वर्मा (सरसौल), कुसुमलता (बिधनू), सावित्री देवी (बिधनू), ममता देवी (कल्याणपुर), सरोजिनी (कल्याणपुर) को सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम में प्रो. संजय स्वर्णकार, प्रो. सुधीर अवस्थी, कुलसचिव अनिल यादव, डॉ. आर.के दिव्वेदी, डॉ. राशि अग्रवाल, डॉ.विवेक सचान, आर.पी सिंह, वी.पी सिंह, आदि लोग मौजूद रहें।